Margdarshan IAS

UPSC MAINS 2025

हिंदी साहित्य

पेपर 1 और पेपर 2

से सर्वाधिक संभावित अभ्यास प्रश्न

हिन्दी साहित्य - 2025 , प्रथम प्रश्न पत्र

खण्ड - क

1 - (क) आरम्भिक हिन्दी की व्याकरणिक विशेषताएं -

(ख) - रहीम की काव्य भाषा, या,
रहीम काव्य की प्रासंगिकता, या रहीम काव्य का महत्व

(ग) - दक्खिनी हिन्दी की विशेषताएं

(घ) - ब्रजभाषा की व्याकरणिक विशेषताएं, या
ब्रजभाषा का साहित्यिक योगदान

(ङ) - खुसरो की काव्य भाषा, खुसरो काव्य का महत्व

2 - (क) पूर्वी हिन्दी की किन्ही दो बोलियों की व्याकरणिक विशेषताएं, या.
पश्चिमी हिन्दी की किन्ही दो बोलियों की व्याकरणिक विशेषताएं

(ख) - देवनागरी लिपि - सुधार की दिशाएं — विशेषताओं का प्रकाश

(ग) - भाषा और बोली में अन्तर स्पष्ट करें।

3 - (क) - देवनागरी लिपि का मानकीकरण - मानक स्वरूप

(ख) - मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना

(ग) - राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास

4 - (क) - स्वतन्त्रता आन्दोलन - संपर्क के भाषा के रूप में हिन्दी - राष्ट्रभाषा

(ख) - राष्ट्रभाषा ~~का~~ हिन्दी - संवैधानिक स्थिति - वास्तविक स्थिति, अखिल भारतीय भाषा के रूप में कठिनाईयाँ, दक्षिण भारत में विरोध का कारण

(ग) - हिन्दी की तकनीकि शब्दावली - कठिनाईयाँ, महत्व व आवश्यकता

5 - (क) नागरी प्रचारिणी सभा - काशी और हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई की भूमिका का मूल्यांकन, हिन्दी भाषा के विकास में इनके योगदान का वर्णन

(ख) दक्खिनी हिन्दी की विशेषताओं का वर्णन करते हुए उसमें खड़ी बोली के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

Download on the App Store
GET IT ON Google Play

खण्ड- ख - प्रथम प्रश्न पत्र - 2025

1- (क)- घनानन्द की काव्यगत विशेषताएं- स्वानुभूति व स्वच्छंदता
(ख)- रासो साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ-
(ग)- सिद्ध- नाथ साहित्य का भाषिक व साहित्यक योगदान
(घ)- सूरदास का वात्सल्य प्रेम
(ङ)- तुलसी की लोकमंगल सम्बन्धी अवधारणा

2- (क)_ नागेन्द्र के आलोचना कर्म की मुख्य विशेषताएं
(ख)- रीतिकालीन काव्य का प्रकृति चित्रण
(ग)- कृष्णा सोबती- कहानियों की विशेषताएं- स्त्री विमर्श

3- (क)- प्रयोगवाद- काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ व भाषा शैली
(ख)- दिनकर की राष्ट्रीय चेतना
(ग)- जैनेन्द्र का नारी चित्रण

4- (क)- आदिकाल को वीरगाथा काल कहना कहाँ तक उपयुक्त है।
(ख)- सूर- सूर्य तुलसी शशि - मुल्यांकन करें।
(ग)- नागार्जुन की काव्य चेतना व भाषा

5- (क)- भारतेन्दु के नाटक- राष्ट्रीय चेतना
(ख)- मोहन राकेश के नाट्य शिल्प-, आधे-अधूरे
(ग)- जयशंकर प्रसाद के नाटकों में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना के स्वर, सांस्कृतिक चेतना के स्वर

6- (क)- अज्ञेय की काव्य भाषा
(ख)- प्रेमचन्द की कहानियों का मूल स्वर
(ग)- कबीर सामाजिक कुरीतियों के प्रति काव्य दृष्टि,— काव्य की भाषा शैली

7- (क)- ललित निबन्धकार- विद्यानिवास मिश्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुबेर नाथ राय समीक्षात्मक विवेचना
(ख)- अज्ञेय के यात्रा- वर्णन उनके व्यक्तित्व का दर्पण है- विवेचना

हिन्दी साहित्य - 2025 - द्वितीय प्रश्नपत्र

खण्ड क

1- व्याख्या -

2 (क) कबीर का निर्गुण ब्रह्म की भक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) सूरदास द्वारा भ्रमरगीत प्रसंग की योजना का मुख्य उद्देश्य निर्गुण पर सगुण की विजय दिखाना है - समीक्षा कीजिए।

(ग) सुन्दरकाण्ड के वस्तु-शिल्प सौन्दर्य की विवेचना कीजिए।

(3)-(क) पद्मावत प्रेम और दर्शन का अद्भुत महाकाव्य है - स्पष्ट कीजिए।

(ख) जायसी ने नागमती के वियोग वर्णन द्वारा नारी की व्यथा-कथा को प्रस्तुत किया है - समीक्षा

(ग) गुप्त जी ने भारत-भारती के माध्यम से न सिर्फ अतीत के गौरव का गान किया बल्कि वर्तमान को भी झकझोरा है। - विवेचना कीजिए।

(4)-(क) कामायनी का गौरव उसके युगबोध, परिपुष्ट चिंतन, महत्त उद्देश्य और प्रौढ़ शिल्प में निहित है - विवेचना कीजिए।

(ख) प्रसाद मूलतः प्रेम और सौन्दर्य के कवि हैं - कामायनी में अभिव्यक्त प्रेम एवं सौंदर्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ग) - निराला की रचना कुकुरमुत्ता के आधार पर काव्य सौन्दर्य को उद्घाटित कीजिए।
या, कुकुरमुत्ता में व्यंग्य विद्रूप के साथ भारतीय अस्मिता का जयघोष है - स्पष्ट करें।

(5) (क)- मुक्तिबोध की कविता में आधुनिकता बोध के नये आयाम के साथ आत्मबोध के भी स्वर हैं - विचार प्रस्तुत करें।

(ख) युद्ध की विभीषिका को दिनकर ने अपने काव्य कुरुक्षेत्र में किस प्रकार रेखांकित किया है - समीक्षा कीजिए।

(ग) हरिजन गाथा कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। नागार्जुन की जनवादी दृष्टि की मीमांसा व स्पष्ट कीजिए।
या, नागार्जुन की कविता लोक जीवन की भूमि से उगकर, प्रतिबद्धता पर आरूढ़ हो, व्यंग्य के शिखर को स्पर्श करती है - समीक्षा किजिए।

MARGDARSHAN IAS

हिन्दी साहित्य - 2025 द्वितीय प्रश्नपत्र

खण्ड - ख

1- व्याख्या-

2- (क) भारत दुर्दशा नाटक में व्यंग्य को एक जबरदस्त हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया है- स्पष्ट कीजिए।

(ख). आषाढ़ का एक दिन नाटक के नाटकीय तत्वों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

(ग)- कविता क्या है- के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल की कविता सम्बन्धी मूल-भूत दृष्टि और उसकी सार्थकता पर विचार कीजिए।

3- (क) हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्धों में तर्क और विचार के साथ-साथ प्रवणता भी है - सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(ख) कुबेरनाथ राय के ललित निबन्धों की भावात्मक और विचारात्मक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए।

(ग) प्रेमचन्द की केवल एक ही सर्वोत्तम कहानी चुननी हो तो आप कौन सी चुनेंगे और क्यों?

या, ईदगाह या पूस की रात में से किसी एक की समीक्षात्मक विवेचना कीजिए।

4- (क) महाभोज उपन्यास में समकालीन दलगत राजनीति का जन विरोधी चरित्र विश्वसनीय तरीके से उभारा गया है - परीक्षा कीजिए।

(ख)- मैला आँचल में अभिव्यक्त स्त्री-पुरुष सम्बन्ध एक नवीन मुक्ति के पक्ष में है- कहाँ तक सहमत हैं - तार्किक व्याख्या कीजिए।

(ग) दिव्या- स्त्री स्वतन्त्रता का उद्घोष है - विवेचना कीजिए।

5- (क) गोदान में कृषक जीवन की ट्रेजडी का आख्यान मानो युगीन समस्याओं का प्रतिनिधि आख्यान है - आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

या, गोदान की भाषा और उसके शिल्प की विशेषताएं बताइए।

(ख)- चीफ की दावत में नौकरशाही में व्याप्त स्वार्थ लिप्सा के मनोविज्ञान का उद्घाटन कीजिए।

(ग)- राजेन्द्र यादव के कहानियों की विशेषताएं बताइए।

6- जयशंकर प्रसाद के नाटकों में स्त्री पात्र सदैव श्रेष्ठ रहे हैं - उक्त के आलोक में स्कन्दगुप्त में स्त्री पात्रों के परिकल्पना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Margdarshan IAS – Aspirant HelpDesk
Download on the App Store
GET IT ON Google Play

हिंदी माध्यम

UPSC CSE 2026

MAGP

Prelims + Mains Guidance Program

यहाँ क्लिक करें

हिंदी माध्यम

UPSC CSE 2026

MAINS GUIDANCE PROGRAM

" लिखो जीतने के लिए "

यहाँ क्लिक करें